जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 29 जुलाई 2019

जामिया के प्रोफेसर को विदेश मंत्रालय के तहत आने वाले आरआईएस में ऐजंगक्ट सीनियर फैलो की पेशकश

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के डिपार्टमेंट आॅफ इकनामिक्स के प्रोफेसर शाहिद अहमद के रिसर्च कार्यों और इंटरनेशनल इकनामिक्स के क्षेत्र में किए गए उनके योगदान के मद्देनज़र, उन्हें रिसर्च एंड इंफार्मेशन सिस्टम फाॅर डेवलपिंग कंट्रीज़ :आरआईएसः में ऐजंगक्ट सीनियर फैलो बनने की पेशकश की गई है।

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के तहत आने वाला आरआईएस, एक स्वायत्त पालिसी रिसर्च संस्थान है। आरआईएस ऐजंगक्ट सीनियर फैलो, उन गिने-चुने अनुभवी स्काॅलर के ग्रुप में आते हैं, जिन्होंने, इंटरनेशनल इकनामिक्स और विकास से जुड़े ऐसे मुद्दों पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम किए हों, जिनका विकासशील देशों के निर्णय लेने की प्रक्रिया से संबंध हो।

इकनामिक्स के प्रोफेसर और अकादमिश्यिन के तौर पर, उनका ऐसे संस्थानों से जुड़ना न सिर्फ, उन्हीं के लिए बड़ा सम्मान है बल्कि, पूरी जामिया बिरादरी के लिए फख्र की बात है।

इससे पहले, प्रोफेसर अहमद यूनाइटेड नेशंस कान्फ्रेंस आॅन ट्रेड एंड डेवलपमेंट:यूनएनसीटीएडीः में बतौर सीनियर इकनामिस्ट काम कर चुके हैं। वह इकनामिक्स डिपार्टमेंट के प्रमुंख, सेंटर फाॅर जवाहरलाल नेहरू स्टडीज़ के निदेशक और विश्वविद्यालय के फाइनेंस आॅफिसर के तौर पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

प्रो अहमद की अब तक 5 किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं और अर्थशास्त्र के विभिन्न मुद्दों पर उनके 93 से ज़्यादा रिसर्च लेख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में छप चुके हैं। उनका बहुपक्षीय व्यापार वार्ताओं, क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग और साउथ साउथ कोआॅपरेशन जैसे विषयों पर विशेष योगदान रहा है। उनकी उपलब्धियों के लिए एम. डी. यूनिवर्सिटी, रोहतक ने साल 2012 में, उन्हें ‘‘ अवार्ड आॅफ एक्सेलेंस ‘‘ से सम्मानित किया था। मुंबई की एसोसिएशन फाॅर मुस्लिम प्रोफेशनल्स ने वर्ष 2018 में एएमपी नेशनल अवार्ड फाॅर एक्सेलेंस इन एजुकेशन अवार्ड से उन्हें नवाज़ा।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक